भाई बहन सेक्स : घर की लाड़ली-1

“भाई बहन सेक्स की इस कहानी में पढ़ें कि कैसे एक खूबसूरत लड़की ने कामवासना के ग्रसित होकर अपने सगे भाइयों को अपनी जवानी के जाल में फंसाया और उन्हें बहनचोद बनाया. ...”

Story By: indian lover (indian_lover)
Posted: Sunday, October 14th, 2018
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: भाई बहन सेक्स : घर की लाड़ली-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भाई बहन सेक्स : घर की लाड़ली-1

नमस्कार मित्रो !
मेरे द्वारा लिखी चुदक्कड़ परिवार की कहानी
भाई बहन की सेक्स स्टोरी
कुछ माह पूर्व अन्तर्वासना पर प्रकाशित हुई थी.
अब मैं उसके बाद की अगली कड़ी प्रस्तुत कर रहा हूँ. समय की कमी के कारण थोड़ा विलम्ब हुआ, उसके लिए क्षमा चाहता हूँ. मुझे खुशी है कि आप सबको मेरी कहानी पसंद आयी और आप सबने व्यक्तिगत रूप से मुझे ईमेल पर इसकी सराहना की.

जिन्होंने पहले वाली कहानी नहीं पढ़ी, मैं उनको पहले वो कहानी पढ़ने की सलाह दूंगा, इससे आप इस भाई बहन सेक्स की कहानी को दोगुना एन्जॉय कर पाएंगे. अगर आप पहली कहानी नहीं भी पढ़ते हैं तो भी आप सीधे इस भाग का आनंद ले सकते हैं.
आपको याद होगा कि उस शाम को कैसे एक सामान्य से परिवार को किस्मत ने एक नया आयाम दे दिया था. घर के सरे सदस्यों के बीच का सामान्य सम्बन्ध एकदम परिवर्तित ही हो गया था. अब परिवार में भाई-बहन, पति-पत्नी, पिता-पुत्र, पिता-पुत्री, बहु-ससुर सबके बीच का सम्बन्ध बिल्कुल बदल चुका था. अब सब एक दूसरे को चोद और एक-दूसरे से चुदवा रहे थे, वो खुशी-खुशी. कोई विरोध नहीं, और सबको एक दूसरे की सहमति थी.

इस के साथ-साथ घर के कुछ लोगों के जीवन के कुछ बहुत ही पुराने राज़ भी खुल गए थे और सब एक दूसरे के सामने बिल्कुल नंगे हो चुके थे, पर आश्चर्य की बात यह थी कि कोई भी लाज-हया नहीं दिखाई दे रही थी इतने बड़े बड़े रहस्यों के खुलने के बाद भी … सब उत्साहित होकर एक-दूसरे को अपनी कहानियाँ बता रहे थे.

मयूरी ने वादा किया था कि वो सबको अपने घर में हुए दोनों भाइयों और पिता के साथ

चुदाई की कहानी बताएगी.

तो उस हसीं शाम की घनघोर चुदाई के बाद भी रात को चुदाई का सिलसिला चलता रहा. पार्टनर बदल-बदल का चुदाई चली और बहुत ज्यादा चली. फिर अगली सुबह रमेश और सुरेश अपने ऑफिस चले गए और घर में मोहनलाल ने अपनी बहू मयूरी और बेटी काजल को अकेले में फिर से बहुत चोदा. उसका तो जैसे सपना पूरा हो रहा था. दो-दो जवान लड़कियां वो भी अपने घर की. एक अपनी सगी बेटी तो एक अपने ही घर की बड़ी बहू. उसके आनंद की कोई सीमा नहीं थी और वो इसकी व्याख्या शब्दों में नहीं कर सकता था.

शाम को जब रमेश और सुरेश भी घर आ गए तो चुदाई के कई और दौर चले. घर के हर मर्द के लंड ने घर की दोनों चूत की खूब सेवा की और मजे दिए. फिर जब सब लोग थक कर बैठ गए तो कोमल के आग्रह पर मयूरी ने अपने मायके में हुई चुदाई की शुरुआत की कहानी शुरू की.

अध्याय – 0 – मन का बीज

तो बात आज से करीब 6 साल पहले की है यानि की मयूरी की शादी के लगभग 5 साल पहले. मयूरी अपना स्नातक (ग्रेजुएशन) पूरा करने वाली थी. वो उस समय लगभग 19-20 साल की रही होगी. घर में उसके पिता अशोक (45 साल), माता जिनका नाम शीतल (41 साल), बड़ा भाई विक्रम (21 साल) और छोटा भाई रजत (18 साल) जैसे सदस्य थे. अशोक की सरकारी नौकरी थी, वो देखने में एकदम साधारण व्यक्ति लगता था पर हमेश व्यायाम करता था इसलिए बहुत ही स्वस्थ था.

शीतल थी तो वैसे 41 साल की पर बहुत ही खूबसूरत…! उसको देखकर यह अनुमान लगाया जा सकता था कि जवानी में इसने कितनों के सपनो में आकर उनकी की नींदें हराम की होंगी. वो बहुत पतली नहीं थी और मोटी भी नहीं थी, देखने में ज्यादा से ज्यादा 35 की

लगती थी. माँ बेटी को एक साथ देखकर लगता था की जैसे दोनों बहने हों. अशोक से उसकी शादी उसके सरकारी नौकरी के वजह से ही हुई थी.

मयूरी बिल्कुल अपने माँ पर गयी थी, छरहरा बदन, खूबसूरत होंठ, नशीली कमर, जवानी की उठान, भारी-भारी चूचियां और उतनी ही बड़ी बड़ी गांड। जिस जगह से गुजरे उस तरफ के लोगो का लंड अपने आप ही खड़ा हो जाता था.

मयूरी के भाई विक्रम और रजत भी गठीले शरीर के मालिक थे. दोनों नियमित रूप से जिम जाते थे, देखने में बहुत ही आकर्षक व्यक्तित्व के मालिक लगते थे. विक्रम किसी कम्पटीशन की तैयारी कर रहा था और रजत अभी सेकंड ईयर में था. विक्रम और रजत में पिछले 4-5 महीनों से बातचीत बंद थी. कारण थी एक लड़की … जिससे दोनों भाई प्यार करते थे और उसने दोनों को बेवकूफ बना कर मजे ले लिए.

मयूरी अपने घर की लाड़ली थी. उसको अपने पिता, माँ और दोनों भाइयों से खूब सारा प्यार मिलता था. सब कुछ सामान्य चल रहा था. एक बार ग्रुप स्टडी के लिए मयूरी अपने एक सहेली पूजा के घर गयी. वहाँ उसकी 2 और सखियाँ आयी हुई थी – रुचिका और हीना. एक-डेढ़ घंटे की लगातार पढ़ाई के बाद सबने एक ब्रेक लेने की सोची और रिलैक्स करने लगी. इधर-उधर की बातचीत करते-करते सेक्स के बारे में बात करने लगे. चारों आपस में पक्की सहेलियाँ थी और कई सालों से एक दूसरे को जानती थी.

बातों-बातों में हीना ने बताया कि वो सेक्स कर चुकी है. बाकी लड़कियों ने पूछा- किसके साथ ?
तो वो थोड़ा शर्माने लग गयी और बात को टालने लगी. फिर बहुत जोर देने पर उसने बताया कि उसके अब्बा ने ही उसकी सील तोड़ी और अब घर में रोज़ खूब चुदाई चलती है. उसने बताया कि यह बात उसकी अम्मी को भी पता है और तीनों लोग साथ में भी सेक्स करते हैं.

पूजा ने कहा- इसमें क्या बड़ी बात है, मैंने भी अपने छोटे भाई को पटा रखा है. हम दोनों करीब 1 साल से रोज़ ही चुदाई करते हैं. घर में किसी और पता नहीं है इसलिए कोई शक भी नहीं करता. हम दोनों एक ही कमरे में सोते हैं तो रोज़ चुदाई का काम बहुत ही आसान हो जाता है.

उसने बताया कि ग्रुप स्टडी के 2 घंटे पहले ही इसी कमरे में वो फिर से चुदी थी अपने भाई से. आज उसने उसको डॉगी स्टाइल में चोदा और उसके पहले दोनों ने 69 भी किया था.

फिर सबने रुचिका से पूछा- क्या तुमने कभी सेक्स किया है ?
तो उसने बताया- हाँ, मगर किसी आदमी के साथ नहीं किया है.
हीना ने पूछा- मतलब ?
तो उसने बताया कि पिछले पांच छह महीने से उसके और उसकी माँ के बीच में सेक्स सम्बन्ध बन गए हैं. दोनों एक दूसरे के साथ लेस्बियन सेक्स का अनुभव लेती हैं.

आज चारों सहेलियाँ अपना राज़ एक दूसरे के सामने खोल रही थीं. फिर सबने जब मयूरी से पूछा- तुम अपनी चुदाई की कहानी बताओ ?
तो वो एक पल को चुप सी रह गयी. फिर एक बड़ी सी आह भरते हुए उसने कहा कि उसकी जमीन अभी भी सूखी है, अभी तक चुदाई का मौका नहीं मिल पाया है. बॉयफ्रेंड कोई है नहीं और घरवालों से ऐसी उम्मीद कभी की नहीं.

हीना ने कहा- यार, कोशिश करनी पड़ती है, फिर सब हो जाता है. देखो अंत में सब होते औरत-मर्द ही है. और माशाल्लाह, तुम तो हूर की परी हो, ऊपर वाले ने इतना बढ़िया हुस्न दिया है कि कोई भी मर-मिटेगा.
मयूरी ने कहा कि उसकी किस्मत में शायद शादी के बाद ही लंड लिखा है.

फिर सबने ठहाकों के बाद पढ़ाई फिर से शुरू की. एक और घंटे की पढ़ाई के बाद सब अपने

अपने घर को चल दी.

पर आज जब मयूरी अपने घर जा रही थी तो उसके दिमाग में कुछ नयी तरंगों ने कब्ज़ा कर रखा था. वो अपने सहेलियों की चुदाई के बारे सोचे जा रही थी और कितनी भी कोशिश करने पर अपने आप को रोक नहीं पा रही थी. उसने महसूस किया कि सोचने मात्र से ही उसकी चुत में बहुत सारा पानी आ गया है. वो फटाफट घर गयी और बाथरूम जा की अपने उंगलियों को अपनी चुत में डाल कर अंदर-बाहर करने लगी. फिर थोड़ी देर बाद जब उसकी चुत से काफी सारा कामरस निकला तो उसको इतना चैन मिला कि जैसे ऐसा पहले कभी हुआ ही नहीं हो.

इसके बाद उसने फैसला किया कि अब वो किसी ना किसी से चुदाई करवा के ही मानेगी। उसने बहुत सोचा कि सबसे आसान है कि किसी लड़के को पटाओ और खूब चुदाई करवाओ. पर उसमें रिस्क बहुत ज्यादा था क्यूँकि अगर यह बात किसी को पता चल गयी तो बहुत बदनामी होगी. और ऐसी बातें किसी ना किसी तरह दोस्तों यारों से सबको पता चल ही जाती हैं.

फिर अब उसने घर में लोगों के बारे में सोचना शुरू किया. उसने सबसे पहले अपने पापा के बारे में सोचा पर वो बहुत ही मुश्किल काम लगा. फिर उसने सोचा कि अपने भाइयों को टारगेट करती हूँ, पर किस भाई को, छोटे को या बड़े को … यह फिर बहुत मुश्किल सवाल था, बहुत सोचने के बाद उसने फैसला किया कि दोनों पर लाइन मारी जाये, जो पट गया उसी का लंड अपनी चुत में डलवा लूंगी, पर चुदाई तो होकर रहेगी.

पर वो कुछ भी जल्दी में नहीं करना चाहती थी. तो उसने बड़े आराम से सब कुछ सुयोजित किया और भाई बहन सेक्स की योजना के मुताबिक सबसे पहले उसने बड़े भाई पर लाइन मारना चालू किया.
वैसे बता दूँ कि तीनों भाई बहन आपस में काफी खुले हुए थे. चुदाई की बातें तो नहीं होती

थी पर एडल्ट जोक्स आपस में बहुत किया करते थे.
अगर वाटसऐप्प पर कोई भी एडल्ट जोक आये तो तीनों आपस में फॉरवर्ड करने में देर नहीं लगाते थे. खुले में तो नहीं, पर तीनों को पता था कि पोर्न मूवी लैपटॉप के किस ड्राइव में कहाँ रखी है.
तीनों ही उस फोल्डर में नयी नयी मूवीज डालकर अपडेट भी करते रहते थे. पर इतना सब के बावजूद भी, कभी भी तीनों में से किसी ने एक दूसरे को गन्दी नज़र से नहीं देखा था. मतलब रिश्ते अभी तक बिल्कुल पवित्र थे.

पर मयूरी ने ठान लिया था कि अब ये सब ऐसे नहीं रहने वाला था.

कहानी जारी रहेगी. अगले भाग में आप पढ़ेंगे कि मयूरी ने अपने भाइयों को कैसे अपने ऊपर रिझाया. भाई बहन सेक्स कहानी का मजा लेते रहें !
indian_lover@outlook.com